Ministry of Health & Family Welfare
Government of India

जन-जन का रखे ध्यान, टीबी-मुक्त भारत अभियान

Regional Media Coverage | 2nd February 2025

Punjab

ਸੰਜੇ ਨਗਰ ਵਿਖੇ ਟੀ.ਬੀ ਸਰਵੇ ਦੀ ਕੀਤੀ ਸ਼ੁਰੂਆਤ

ਆਸ਼ਾ ਵਰਕਰ ਘਰ-ਘਰ ਟੀ.ਬੀ ਸੰਬੰਧੀ ਦੇਣਗੇ ਜਾਣਕਾਰੀ - ਡਾ.ਲੀਨਾ ਚੋਪੜਾ ਭੱਲਾ

ਫਰੀਦਕੋਟ 31 ਜਨਵਰੀ (ਜਗਮੀਤ ਸੁੱਖਣਵਾਲਾ) ਸਿਵਲ ਸਰਜਨ ਫਰੀਦਕੋਟ ਡਾ.ਚੰਦਰ ਸ਼ੇਖਰ ਕੱਕੜ ਦੇ ਦਿਸ਼ਾ ਨਿਰਦੇਸ਼ਾਂ ਅਤੇ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਟੀ.ਬੀ ਅਫਸਰ ਡਾ.ਲੀਨਾ ਚੋਪੜਾ ਭੱਲਾ ਦੀ ਯੋਗ ਅਗਵਾਈ ਹੇਠ ਸਿਹਤ ਵਿਭਾਗ ਵੱਲੋਂ ਚਲਾਈ ਜਾ ਰਹੀ 100 ਦਿਨਾਂ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਟੀ.ਬੀ ਜਾਗਰੂਕਤਾ ਮੁਹਿਮ ਦੇ ਅਧੀਨ ਟੀ.ਬੀ. ਜਾਗਰੂਕਤਾ ਲਈ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਸਰਗਰਮੀਆਂ ਅਤੇ ਸਿਖਲਾਈ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮਾਂ ਦਾ ਆਯੋਜਨ ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਸਿਹਤ ਵਿਭਾਗ ਦੀ ਮਾਸ ਮੀਡੀਆ ਟੀਮ ਵੱਲੋਂ ਸਥਾਨਕ ਸੰਜੇ ਨਗਰ ਵਿਖੇ ਟੀ.ਬੀ ਸਰਵੇ ਦੀ ਸ਼ੁਰੂਆਤ ਮੌਕੇ ਟੀ.ਬੀ ਦੇ ਲੱਛਣ,ਬਚਾਅ ਅਤੇ ਮੁਫਤ ਇਲਾਜ ਸਬੰਧੀ ਜਾਣਕਾਰੀ ਸਾਂਝੀ ਕੀਤੀ ਗਈ।ਇਸ ਮੌਕੇ ਜਾਣਕਾਰੀ ਦਿੰਦਿਆਂ ਡਿਪਟੀ ਮਾਸ ਮੀਡੀਆ ਅਫਸਰ ਸੁਧੀਰ ਧੀਰ,ਡਿਪਟੀ ਮਾਸ ਮੀਡੀਆ ਅਫਸਰ ਲਖਵਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਕੈਂਥ ਅਤੇ ਨੋਡਲ ਅਫਸਰ ਆਈ.ਈ.ਸੀ ਗਤੀਵਿਧੀਆਂ ਬੀ.ਈ.ਈ ਡਾ.ਪ੍ਰਭਦੀਪ ਸਿੰਘ ਚਾਵਲਾ ਨੇ ਦੱਸਿਆ ਕਿ ਜੇਕਰ ਕਿਸੇ ਵਿਅਕਤੀ ਨੂੰ ਦੋ ਹਫਤੇ ਤੋਂ ਵੱਧ ਖੰਘ, ਬੁਖਾਰ, ਪਸੀਨਾ ਆਉਂਦਾ ਹੈ ਜਾਂ ਭਾਰ ਘਟ ਰਿਹਾ ਹੈ ਉਹ ਤੁਰੰਤ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਹਸਪਤਾਲ ਫਰੀਦਕੋਟ, ਕੋਟਕਪੂਰਾ, ਜੈਤੋ, ਸਦਿਕ ਅਤੇ ਬਾਜਾਖਾਨਾ ਅਤੇ ਮੈਡੀਕਲ ਕਾਲਜ ਫਰੀਦਕੋਟ ਵਿਖੇ ਆਪਣੀ ਮੁਫਤ ਜਾਂਚ ਕਰਵਾ ਸਕਦਾ ਹੈ, ਜਿਥੇ ਉਹਨਾਂ ਦੇ ਮੁਫਤ

ਟੈਸਟ, ਮੁਫਤ ਐਕਸ-ਰੇ ਕੀਤੇ ਜਾਣਗੇ ਅਤੇ ਦਵਾਈਆਂ ਵੀ ਮੁਫਤ ਦਿੱਤੀਆਂ ਜਾਣਗੀਆਂ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੱਸਿਆ ਕਿ ਟੀ.ਬੀ ਦੇ ਮਰੀਜਾਂ ਨੂੰ ਨਿਸ਼ਚੈ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਤਹਿਤ ਹਰ ਮਹੀਨੇ ਰਾਸ਼ਨ ਵੀ ਮੁਫਤ ਦਿੱਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਇਹ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਮੁਹਿਮ 24 ਮਾਰਚ 2025 ਵਿਸ਼ਵ ਟੀ.ਬੀ ਦਿਵਸ ਤੱਕ ਚੱਲੇਗੀ। ਇਸ ਮੁਹਿਮ ਦਾ ਮੁੱਖ ਮਕਸਦ ਟੀ.ਬੀ ਪ੍ਰਤੀ ਆਮ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਜਾਗਰੂਕ ਕਰਨਾ, ਉਹਨਾਂ ਦੀ ਸਕਰੀਨਿੰਗ ਕਰਕੇ ਮੁਫਤ ਇਲਾਜ ਕਰਕੇ ਦੇਸ਼ ਨੂੰ ਟੀ.ਬੀ ਮੁਕਤ ਬਣਾਉਣਾ ਹੈ ਤਾਂ ਜੋ ਪ੍ਰਧਾਨ ਮੰਤਰੀ ਸ੍ਰੀ ਨਰਿੰਦਰ ਮੋਦੀ ਵੱਲੋਂ 2018 ਵਿੱਚ ਸ਼ੁਰੂ ਕੀਤੇ ਟੀ.ਬੀ ਮੁਕਤ ਭਾਰਤ ਅਭਿਆਨ ਨੂੰ ਸੰਪੂਰਨ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕੇ। ਇਸ ਜਾਗਰੂਕਤਾ ਮੁਹਿਮ ਤਹਿਤ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਤੌਰ ਤੇ ਸਲੱਮ ਬਸਤੀਆਂ, ਭੱਠਿਆਂ, ਫੈਕਟਰੀਆਂ ਆਦਿ ਦੇ ਲੋਕਾਂ ਦੀ ਟੀ.ਬੀ ਸਬੰਧੀ ਜਾਂਚ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ ਅਤੇ ਮਰੀਜਾਂ ਦਾ ਮੁਫਤ ਇਲਾਜ ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ।ਸਿਹਤ ਵਿਭਾਗ ਦੇ ਸਮੂਹ ਸਬ-ਸੈਂਟਰਾਂ ਤੇ ਸੀ.ਐਚ.ਓ,ਫੀਲਡ ਸਟਾਫ ਅਤੇ ਆਸ਼ਾ ਵਰਕਰਾਂ ਵੱਲੋਂ ਇਸ ਮੁਹਿਮ ਸਬੰਧੀ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਜਾਗਰੂਕਤਾ ਸਰਗਰਮੀਆਂ ਦਾ ਆਯੋਜਨ ਨਿਰੰਤਰ ਜਾਰੀ ਹੈ।ਇਸ ਮੌਕੇ ਆਸ਼ਾ ਵਰਕਰ ਊਸ਼ਾ ਰਾਣੀ ਨੇ ਆਪਣੇ ਏਰੀਏ ਨੂੰ ਕਵਰ ਕਰਨ ਸਬੰਧੀ ਜਾਣਕਾਰੀ ਅਤੇ ਅੰਕੜੇ ਟੀਮ ਨਾਲ ਸਾਂਝੇ ਕੀਤੇ।

ਦੇਸ਼ ਪ੍ਰਦੇਸ਼ ਟਾਈਮਜ਼
www.deshpardeshtimes.com

संजय नगर में टी.बी. सर्वे का शुभारंभ, आशा कार्यकर्त्ता घर-घर जाकर देंगी टी.बी. के बारे में जानकारी

फरीदकोट, 1 फरवरी (जसबीर कौर जस्सी/बांसल) : सिविल सर्जन फरीदकोट डॉ. चंद्र शेखर कक्कड़ के दिशा-निर्देशों और जिला टी.बी. अधिकारी डॉ. लीना चोपड़ा भल्ला कुशल नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग द्वारा चलाया जा रहा 100 दिवसीय विशेष टी.बी. अभियान टी.बी. जागरूकता अभियान के तहत जागरूकता के लिए विभिन्न गतिविधिया और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

टी.बी. जनसंचार अधिकारी द्वारा घर-घर जाकर किए जा रहे विशेष सर्वेक्षण के संबंध में जानकारी साझा करते हुए।

स्वास्थ्य विभाग की मास मीडिया टीम ने स्थानीय संजय नगर में टी.बी. सर्वे के शुभारंभ पर टी.बी. के लक्षण, बचाव और मुफ्त इलाज के बारे में जानकारी साझा की।

इस अवसर पर जानकारी देते हुए डिप्टी मास मीडिया अधिकारी सुधीर धीर, डिप्टी मास मीडिया अधिकारी लखविंदर सिंह कैंथ व नोडल अफसर आई.ई.सी. गतिविधियां बी.ई.ई. डॉ. प्रभदीप सिंह चावला ने कहा कि अगर किसी व्यक्ति को दो सप्ताह से अधिक खांसी, बुखार, पसीना आ रहा है या वजन कम हो रहा है तो उसे तुरंत जिला अस्पताल फरीदकोट, कोटकपूरा, जैतो, सादिक में जाना चाहिए।

तथा बाजाखाना और मैडीकल कॉलेज फरीदकोट में आने वाले मरीज अपना चेकअप मुफ्त में करवा सकते हैं, जहां उन्हें मुफ्त टैस्ट, मुफ्त एक्स-रे और मुफ्त दवाइयां दी जाएंगी। बताया गया कि नश्चिय कार्यक्रम के तहत टी.बी. मरीजों को हर माह मुफ्त राशन भी दिया जाता है।

यह विशेष अभियान विश्व टी.बी. दिवस, 24 मार्च 2025 तक चलेगा। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य आम जनता को टी.बी. के प्रति जागरूक करना, उनकी जांच करना तथा मुफ्त इलाज उपलब्ध कराकर देश को टी.बी. मुक्त बनाना है, ताकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 2018 में शुरू किए गए टी.बी. मुक्त भारत अभियान को पूरा किया जा सके।

इस जागरूकता अभियान के तहत, विशेष रूप से झुग्गी-झोपड़ियों, भट्टों, कारखानों आदि में रहने वाले लोगों की टी.बी. की जांच की जा रही है और रोगियों का मुफ्त इलाज किया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग के सभी उपकेंद्रों और सी.एच.ओ., फील्ड स्टाफ और आशा कार्यकर्ताओं द्वारा लगातार विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इस अभियान से संबंधित जागरूकता गतिविधियां आयोजित की गईं।

इस अवसर पर आशा कार्यकर्ता उषा रानी ने अपने क्षेत्र की कवरेज के बारे में जानकारी और आंकड़े टीम के साथ साझा किए।

गुरु गोबिंद सिंह मैडीकल कॉलेज व अस्पताल में बच्चों में टी.बी. रोग पर कार्यशाला आयोजित की

गुरु गोबिंद सिंह मैडीकल कॉलेज व अस्पताल में बच्चों में टी.बी. रोग पर आयोजित कार्यशाला का एक दृश्य।

फरीदकोट, 1 फरवरी (जसबीर कौर जस्सी/बंसल) : स्वास्थ्य विभाग ने फरीदकोट में जिला टी.बी. यूनिट स्थापित करने की घोषणा की है। विश्व स्वास्थ्य पार्टनर्स और साझेदार संगठनों के सहयोग से आयोजित इस क्लिनिक को डॉ. बाबा फरीद विश्वविद्यालय के कुलपति का समर्थन प्राप्त था। राजीव सूद के नेतृत्व में गुरु गोबिंद सिंह मैडीकल कॉलेज एवं अस्पताल का बालचिकित्सा विभाग बच्चों में टी.बी. के मामलों की जांच कर रहा है।

इस संबंध में जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का संचालन विश्व स्वास्थ्य पार्टनर्स के राज्य तकनीकी प्रबंधक डॉ. सतीश पंधेर, जिला परियोजना समन्वयक मनप्रीत सिंह और राज्य मेंटर नर्स हरप्रीत कौर शामिल थे। इस कार्यशाला में बाबा फरीद विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार प्रो. (डॉ.) राकेश गोरिया मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस कार्यशाला में विशेष आमंत्रण पर क्षेत्र के विधायक गुरदित्त सिंह सेखों भी शामिल हुए।

इनके अलावा सिविल सर्जन डा. चन्द्रशेखर कक्कड़, प्राचार्य डा. संजय गुप्ता, चिकित्सा अधीक्षक डा. नीतू कुक्कड़, शिशु विभागाध्यक्ष डॉ. शशिकांत धीर, प्रमुख छाती और टी.बी.। डॉ किरनजीत, जिला टी.बी. अधिकारी डॉ. लीना चोपड़ा भल्ला, जिला मास मीडिया अधिकारी कुलवंत सिंह, डिप्टी मास मीडिया अधिकारी सुधीर कुमार और लखविंदर सिंह कैंथ भी मौजूद थे।

इस कार्यशाला का उद्देश्य था इस कार्यशाला का उद्देश्य टी.बी. के लक्षण, उपचार और प्रबंधन में स्वास्थ्य पेशेवरों के कौशल और ज्ञान को बढ़ाना था, इसलिए फरीदकोट जिले के चिकित्सा अधिकारियों, स्टाफ नर्सों और टीबी चिकित्सकों ने इस कार्यशाला में भाग लिया। विभाग के कर्मचारियों को बच्चों में टीबी की रोकथाम के लिए प्रशिक्षित किया जाता है। विशेषज्ञों ने इस बीमारी के लक्षण, पहचान और उपचार के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

जिला विषय विशेषज्ञ जानकारी दे रहे हैं बताया गया कि शून्य से चौदह वर्ष की आयु के बच्चों में टीबी के लक्षण जैसे दो सप्ताह से अधिक खांसी व बुखार, वजन कम होना, थूक में खून आना, भूख न लगना तथा रात में पसीना आना आदि पाए जाते हैं। यदि टीबी रोग के लक्षण दिखाई दें तो बाल रोग विशेषज्ञ या टीबी विशेषज्ञ से परामर्श लें। क्लिनिक में जांच करवाएं, उन्होंने कहा कि शीघ्र निदान और उपचार से बच्चों में टीबी को रोका जा सकता है।

सिविल सर्जन डॉ. चन्द्रशेखर कक्कड़ ने कहा कि टीबी छोटे बच्चों में आम बीमारी है। टी.बी. का निदान करना कठिन है, क्योंकि छोटे बच्चे अपने लक्षण नहीं बता सकते तथा नमूने एकत्र करना भी कठिन होता है, जिसके कारण बच्चों में टी.बी. होने का खतरा रहता है। रोग के अन्य लोगों में फैलने का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए यह कार्यशाला बहुत महत्वपूर्ण है, जिसके माध्यम से स्वास्थ्य कर्मचारियों को बच्चों में टी.बी. के बारे में शिक्षित किया जा सकेगा।

बीमारी से निपटने के लिए प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग ने 100 दिवसीय टी.बी. अभियान चलाया है। जागरूकता अभियान के तहत आम जनता को टी.बी. के बारे में जानकारी दी जा रही है। नवजात शिशुओं में टी.बी. के लक्षणों और उपचार के बारे में जागरूकता। बीमारी से बचाव के लिए टीका लगवाने और अंधविश्वास से दूर रहने के लिए भी जागरूकता फैलाई जा रही है।

दैनिक भास्कर

मोगा भास्कर 02-02-2025

मेडिकल कॉलेज में टीबी की बीमारी को लेकर करवाई कार्यशाला

दो सप्ताह से अधिक खांसी, भूख नहीं लगना और पसीना आना टीबी के लक्षण

भास्कर न्यूज़ | फरीदकोट

गुरु गोबिंद सिंह मेडिकल कॉलेज व अस्पताल के मनोरोग विभाग में बच्चों के होने वाली टीबी संबंधी जिला स्तरीय कार्यशाला करवाई गई। यह स्वास्थ्य विभाग फरीदकोट के अधीन चलते जिला टीबी क्लीनिक द्वारा वर्ल्ड हेल्थ पार्टनर और साथी संस्था के सहयोग से बाबा फरीद यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर डॉ. राजीव सूद के नेतृत्व में आयोजित की गई। कार्यशाला का संचालन वर्ल्ड हेल्थ पार्टनर के प्रांतीय तकनीकी मैनेजर डॉ. सतीश पंधेर, जिला प्रोजेक्ट समन्वयक मनप्रीत सिंह और नर्स हरप्रीत कौर ने किया। कार्यशाला में फरीदकोट के मेडिकल अधिकारियों, स्टाफ नर्स, कॉलेज के टीबी विभाग के स्टाफ को बाल टीबी के लक्षण, इलाज और प्रबंधन की जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने बताया कि नवजात से 14 वर्ष के बच्चों में दो सप्ताह से अधिक खांसी और बुखार, भार का घटना, भूख का न लगना, रात समय पसीना आना आदि टीबी की बीमारी के लक्षण हो सकते हैं। ऐसे लक्षण नजर आने पर बच्चों के माहिर डॉक्टर या टीबी क्लीनिक में जांच करवाई जाए। जल्द जांच और इलाज के साथ बच्चों में टीबी की बीमारी की रोकथाम संभव है। सिविल सर्जन डॉ. चन्द्रशेखर कक्कड़ ने बताया कि छोटे बच्चों में टीबी की बीमारी की पहचान करना मुश्किल होता है, क्योंकि छोटा बच्चा लक्षण बता नहीं सकता और उसके सैंपल लेने में भी मुश्किल पेश आती है, इस कारण बच्चों से टीबी दूसरे तक फैलने का खतरा बढ़ जाता है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा 100 दिनों टीबी जागरूकता मुहिम के अंतर्गत आम लोगों को टीबी के लक्षणों, इलाज की जागरूकता नवजात बच्चों को टीबी से बचाव के लिए टीकाकरण करवाने और वहमों भ्रमों से दूर रहने के लिए भी जागरूक किया जा रहा है।

टीबी को लेकर आयोजित कार्यशाला में उपस्थित विशेषज्ञ।

कार्यशाला में बाबा फरीद यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार प्रोफेसर डॉ. राकेश गोरिया व विधायक गुरदित्त सिंह सेखों समेत सिविल सर्जन डॉ. चन्द्रशेखर कक्कड, प्रिंसिपल डॉ. संजय गुप्ता, मेडिकल सुपरिंटेंडेंट डॉ. नीतू कुक्कड़, बाल विभाग प्रमुख डॉ. शशीकांत धीर, चेस्ट एंड टीबी विभाग के डॉ. किरनजीत, जिला टीबी अधिकारी डॉ. लीना चोपड़ा भल्ला, जिला मास मीडिया अधिकारी कुलवंत सिंह, डिप्टी मास मीडिया अधिकारी सुधीर कुमार व लखविन्दर सिंह कैंथ भी उपस्थित रहे।

दैनिक भास्कर

मोगा भास्कर 01-02-2025

टीबी के लक्षण, बचाव और इलाज की दी जानकारी

फरीदकोट | मास मीडिया टीम द्वारा संजय नगर में टीबी सर्वेक्षण शुरू करवा टीबी के लक्षण, बचाव और मुफ्त इलाज की जानकारी दी। यह स्वास्थ्य विभाग द्वारा चलाई जा रही 100 दिनों विशेष टीबी जागरूकता अभियान के तहत दी गई। डिप्टी मास मीडिया अधिकारी सुधीर धीर, डिप्टी मास मीडिया अधिकारी लखविन्दर सिंह कैंथ और बीईई डॉ. प्रभदीप सिंह चावला ने बताया कि यदि किसी व्यक्ति को दो सप्ताह से अधिक खांसी, बुखार, पसीना आता है या भार घट रहा है, वह तुरंत जिला अस्पताल फरीदकोट, कोटकपूरा, जैतो, सादिक और बाजाखाना अथवा गुरु गोबिंद सिंह मेडिकल कॉलेज में अपनी जांच करवा सकता हैं, जहां उनके मुफ्त टेस्ट, एक्स-रे किए जाएंगे और दवाएं भी मुफ्त दी जाएंगी।

ਮੈਡੀਕਲ ਕਾਲਜ ਵਿਖੇ ਟੀਬੀ ਤੋਂ ਬਚਾਅ ਸਬੰਧੀ ਵਰਕਸ਼ਾਪ ਲਾਈ

ਗੁਰੂ ਗੋਬਿੰਦ ਸਿੰਘ ਕਾਲਜ ਤੇ ਹਸਪਤਾਲ 'ਚ ਕਰਵਾਇਆ ਸਮਾਗਮ

ਜਾਗਰਣ ਪੰਜਾਬੀ●ਚਾਨਾ

ਫਰੀਦਕੋਟ : ਸਿਹਤ ਵਿਭਾਗ ਫਰੀਦਕੋਟ ਦੇ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਟੀ.ਬੀ. ਕਲੀਨਿਕ ਵੱਲੋਂ ਵਰਲਡ ਹੈਲਥ ਪਾਰਟਨਰਜ ਅਤੇ ਸਾਥੀ ਸੰਸਥਾ ਦੇ ਸਹਿਯੋਗ ਨਾਲ ਬਾਬਾ ਫਰੀਦ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਦੇ ਵਾਈਸ ਚਾਂਸਲਰ ਡਾ. ਰਾਜੀਵ ਸੂਦ ਦੀ ਅਗਵਾਈ ਵਿੱਚ ਗੁਰੂ ਗੋਬਿੰਦ ਸਿੰਘ ਮੈਡੀਕਲ ਕਾਲਜ ਅਤੇ ਹਸਪਤਾਲ ਦੇ ਮਨੋਰੋਗ ਵਿਭਾਗ ਵਿਖੇ ਬੱਚਿਆ ਦੇ ਵਿੱਚ ਹੋਣ ਵਾਲੀ ਟੀ.ਬੀ. ਸਬੰਧੀ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਪੱਧਰੀ ਵਰਕਸ਼ਾਪ ਦਾ ਆਯੋਜਨ ਕੀਤਾ ਗਿਆ। ਇਸ ਵਰਕਸ਼ਾਪ ਦਾ ਸੰਚਾਲਨ ਵਰਲਡ ਹੈਲਥ ਪਾਰਟਨਰਜ ਦੇ ਸਟੇਟ ਟੈਕਨੀਕਲ ਮੈਨੇਜਰ ਡਾ. ਸਤੀਸ਼ ਪੰਧੇਰ, ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਪ੍ਰੋਜੈਕਟ ਕੁਆਰਡੀਨੇਟਰ ਮਨਪ੍ਰੀਤ ਸਿੰਘ ਅਤੇ ਸਟੇਟ ਮੈਂਟਰ ਨਰਸ ਹਰਪ੍ਰੀਤ ਕੌਰ ਵੱਲੋਂ ਕੀਤਾ ਗਿਆ। ਇਸ ਵਰਕਸ਼ਾਪ ਵਿੱਚ ਬਾਬਾ ਫਰੀਦ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਦੇ ਰਜਿਸਟਰਾਰ ਪ੍ਰੋ. (ਡਾ.) ਰਾਕੇਸ਼ ਗੋਰੀਆ ਮੁੱਖ ਮਹਿਮਾਨ ਦੇ ਤੌਰ ਤੇ ਸ਼ਾਮਿਲ ਹੋਏ। ਇਸ ਵਰਕਸ਼ਾਪ ਵਿੱਚ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਸੱਦੇ ਤੇ ਹਲਕਾ ਵਿਧਾਇਕ ਗੁਰਦਿੱਤ ਸਿੰਘ ਸੇਖੋ ਵੀ ਸ਼ਾਮਿਲ ਹੋਏ। ਇਹਨਾ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਸਿਵਲ ਸਰਜਨ ਡਾ. ਚੰਦਰ ਸ਼ੇਖਰ ਕੱਕੜ, ਪ੍ਰਿੰਸੀਪਲ ਡਾ. ਸੰਜੇ ਗੁਪਤਾ, ਮੈਡੀਕਲ ਸੁਪਰਡੈਂਟ ਡਾ. ਨੀਤੂ ਕੁੱਕੜ, ਬਾਲ ਵਿਭਾਗ ਦੇ ਮੁੱਖੀ ਡਾ. ਸ਼ਸ਼ੀ ਕਾਂਤ ਧੀਰ, ਮੁੱਖੀ ਚੈਸਟ ਐਂਡ ਟੀ.ਬੀ. ਡਾ. ਕਿਰਨਜੀਤ, ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਟੀ.ਬੀ. ਅਫਸਰ ਡਾ. ਲੀਨਾ ਚੋਪੜਾ ਭੱਲਾ, ਜਿਲਾ ਮਾਸ ਮੀਡੀਆ ਅਫਸਰ ਕੁਲਵੰਤ ਸਿੰਘ, ਡਿਪਟੀ ਮਾਸ ਮੀਡੀਆ ਅਫਸਰ ਸੁਧੀਰ ਕੁਮਾਰ ਅਤੇ ਲਖਵਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਕੈਂਥ ਵੀ ਹਾਜਰ ਸਨ। ਇਸ ਵਰਕਸ਼ਾਪ ਦਾ ਉਦੇਸ਼ ਬਾਲ ਟੀ.ਬੀ. ਦੇ ਲੱਛਣ, ਇਲਾਜ ਅਤੇ ਪ੍ਰਬੰਧਨ ਵਿੱਚ ਸਿਹਤ ਪੇਸ਼ੇਵਰਾ ਦੇ ਹੁਨਰ ਅਤੇ ਗਿਆਨ ਨੂੰ ਵਧਾਉਣਾ ਸੀ, ਸੋ ਇਸ ਵਰਕਸ਼ਾਪ ਵਿੱਚ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਫਰੀਦਕੋਟ ਦੇ ਮੈਡੀਕਲ ਅਫਸਰਾ, ਸਟਾਫ ਨਰਸਾ ਅਤੇ ਕਾਲਜ ਦੇ ਟੀ.ਬੀ. ਵਿਭਾਗ ਦੇ ਸਟਾਫ ਨੂੰ ਬੱਚਿਆ ਵਿੱਚ ਹੋਣ ਵਾਲੀ ਟੀ.ਬੀ. ਦੇ ਲੱਛਣਾ, ਪਹਿਚਾਣ ਅਤੇ ਇਲਾਜ ਸਬੰਧੀ ਮਾਹਿਰਾ ਵੱਲੋਂ ਵਿਸਥਾਰ ਸਹਿਤ ਜਾਣਕਾਰੀ ਦਿੱਤੀ। ਸਿਵਲ ਸਰਜਨ ਡਾ. ਚੰਦਰ ਸ਼ੇਖਰ ਕੱਕੜ ਨੇ ਦੱਸਿਆ ਕਿ ਛੋਟੇ ਬੱਚਿਆ ਵਿੱਚ ਟੀ.ਬੀ. ਦੀ ਬਿਮਾਰੀ ਦੀ ਪਹਿਚਾਣ ਕਰਨਾ ਮੁਸ਼ਕਿਲ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਕਿਉਕਿ ਛੋਟਾ ਬੱਚਾ ਲੱਛਣਾ ਸਬੰਧੀ ਦੱਸ ਨਹੀ ਸਕਦਾ ਅਤੇ ਉਸਦੇ ਸੈਂਪਲ ਲੈਣ ਵਿੱਚ ਵੀ ਮੁਸ਼ਕਿਲ ਪੇਸ਼ ਆਉਂਦੀ ਹੈ ਜਿਸ ਕਾਰਣ ਬੱਚਿਆ ਰਾਹੀ ਟੀ.ਬੀ. ਦੀ ਬਿਮਾਰੀ ਦੇ ਹੋਰਨਾ ਤੱਕ ਫੈਲਣ ਦਾ ਖਤਰਾ ਵਧ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਸੋ ਇਹ ਵਰਕਸ਼ਾਪ ਬਹੁਤ ਹੀ ਮਹੱਤਵ ਰੱਖਦੀ ਹੈ ਜਿਸ ਰਾਹੀ ਸਿਹਤ ਸਟਾਫ ਨੂੰ ਬੱਚਿਆ ਵਿੱਚ ਹੋਣ ਵਾਲੀ ਟੀ.ਬੀ. ਦੀ ਬਿਮਾਰੀ ਨਾਲ ਨਿਜੱਠਣ ਲਈ ਟਰੇਂਡ ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਉਹਨਾ ਦੱਸਿਆ ਕਿ ਸਿਹਤ ਵਿਭਾਗ ਵੱਲੋਂ 100 ਦਿਨਾ ਟੀ.ਬੀ. ਜਾਗਰੂਕਤਾ ਮੁਹਿੰਮ ਤਹਿਤ ਆਮ ਲੋਕਾ ਨੂੰ ਟੀ.ਬੀ. ਦੇ ਲੱਛਣਾ ਅਤੇ ਇਲਾਜ ਦੀ ਜਾਗਰੂਕਤਾ ਨਵਜੰਮੇ ਬੱਚਿਆ ਨੂੰ ਟੀ.ਬੀ. ਤੋਂ ਬਚਾਅ ਲਈ ਟੀਕਾਕਰਣ ਕਰਵਾਉਣ ਅਤੇ ਵਹਿਮਾ ਭਰਮਾ ਤੋਂ ਦੂਰ ਰਹਿਣ ਲਈ ਵੀ ਜਾਗਰੂਕ ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ।

ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਦੌਰਾਨ ਬਾਬਾ ਫਰੀਦ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਦੇ ਵਾਈਸ ਚਾਂਸਲਰ ਡਾ. ਰਾਜੀਵ ਸੂਦ, ਸਟੇਟ ਟੈਕਨੀਕਲ ਮੈਨੇਜਰ ਡਾ. ਸਤੀਸ਼ ਪੰਧੇਰ ਤੇ ਹੋਰ।

ਸਰਵੇ ਸਬੰਧੀ ਜਾਣਕਾਰੀ ਦਿੰਦੇ ਸਿਹਤ ਵਿਭਾਗ ਦੇ ਕਾਮੇ।

ਟੀਬੀ ਤੋਂ ਬਚਾਅ ਸਬੰਧੀ ਕੀਤਾ ਜਾਗਰੂਕ

- 100 ਦਿਨਾ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਮੁਹਿੰਮ ਤਹਿਤ ਕਰਵਾਈ ਸਰਗਰਮੀ
- ਟੀਬੀ ਦੇ ਮੁਫ਼ਤ ਇਲਾਜ ਸਬੰਧੀ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਦਿੱਤੀ ਜਾਣਕਾਰੀ

ਪੱਤਰ ਪ੍ਰੇਰਕ, ਪੰਜਾਬੀ ਜਾਗਰਣ●

ਫਰੀਦਕੋਟ : ਸਿਵਲ ਸਰਜਨ ਫਰੀਦਕੋਟ ਡਾ. ਚੰਦਰ ਸ਼ੇਖਰ ਕੱਕੜ ਦੇ ਦਿਸ਼ਾ ਨਿਰਦੇਸ਼ਾ ਅਤੇ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਟੀ.ਬੀ ਅਫਸਰ ਡਾ. ਲੀਨਾ ਚੋਪੜਾ ਭੱਲਾ ਦੀ ਯੋਗ ਅਗਵਾਈ ਹੇਠ ਸਿਹਤ ਵਿਭਾਗ ਵੱਲੋਂ ਚਲਾਈ ਜਾ ਰਹੀ 100 ਦਿਨਾ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਟੀ.ਬੀ ਜਾਗਰੂਕਤਾ ਮੁਹਿੰਮ ਦੇ ਅਧੀਨ ਟੀ.ਬੀ. ਜਾਗਰੂਕਤਾ ਲਈ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਸਰਗਰਮੀਆ ਅਤੇ ਸਿਖਲਾਈ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮਾ ਦਾ ਆਯੋਜਨ ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਸਿਹਤ ਵਿਭਾਗ ਦੀ ਮਾਸ ਮੀਡੀਆ ਟੀਮ ਵੱਲੋਂ ਸਥਾਨਕ ਸੰਜੇ ਨਗਰ ਵਿਖੇ ਟੀ.ਬੀ ਸਰਵੇ ਦੀ ਸ਼ੁਰੂਆਤ ਮੌਕੇ ਟੀ.ਬੀ ਦੇ ਲੱਛਣ, ਬਚਾਅ ਅਤੇ ਮੁਫਤ ਇਲਾਜ ਸਬੰਧੀ ਜਾਣਕਾਰੀ ਸਾਂਝੀ ਕੀਤੀ ਗਈ। ਇਸ ਮੌਕੇ ਜਾਣਕਾਰੀ ਦਿੰਦਿਆ ਡਿਪਟੀ ਮਾਸ ਮੀਡੀਆ ਅਫਸਰ ਸੁਧੀਰ ਧੀਰ, ਡਿਪਟੀ ਮਾਸ ਮੀਡੀਆ ਅਫਸਰ ਲਖਵਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਕੈਂਥ ਅਤੇ ਨੋਡਲ ਅਫਸਰ ਆਈ.ਈ.ਸੀ ਗਤੀਵਿਧੀਆ ਬੀ.ਈ.ਈ ਡਾ. ਪ੍ਰਭਦੀਪ ਸਿੰਘ ਚਾਵਲਾ ਨੇ ਦੱਸਿਆ ਕਿ ਜੇਕਰ ਕਿਸੇ ਵਿਅਕਤੀ ਨੂੰ ਦੋ ਹਫਤੇ ਤੋਂ ਵੱਧ ਖੰਘ, ਬੁਖਾਰ, ਪਸੀਨਾ ਆਉਂਦਾ ਹੈ ਜਾ ਭਾਰ ਘਟ ਰਿਹਾ ਹੈ ਉਹ ਤੁਰੰਤ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਹਸਪਤਾਲ ਫਰੀਦਕੋਟ, ਕੋਟਕਪੂਰਾ, ਜੈਤੋ, ਸਦਿਕ ਅਤੇ ਬਾਜਾਖਾਨਾ ਅਤੇ ਮੈਡੀਕਲ ਕਾਲਜ ਫਰੀਦਕੋਟ ਵਿਖੇ ਆਪਣੀ ਮੁਫਤ ਜਾਂਚ ਕਰਵਾ ਸਕਦਾ ਹੈ, ਜਿਥੇ ਉਹਨਾ ਦੇ ਮੁਫਤ ਟੈਸਟ, ਮੁਫਤ ਐਕਸ-ਰੇ ਕੀਤੇ ਜਾਣਗੇ ਅਤੇ ਦਵਾਈਆਂ ਵੀ ਮੁਫਤ ਦਿੱਤੀਆ ਜਾਣਗੀਆਂ । ਉਨ੍ਹਾ ਦੱਸਿਆ ਕਿ ਟੀ.ਬੀ ਦੇ ਮਰੀਜਾ ਨੂੰ ਨਿਸ਼ਚੈ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਤਹਿਤ ਹਰ ਮਹੀਨੇ ਰਾਸ਼ਨ ਵੀ ਮੁਫਤ ਦਿੱਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਇਹ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਮੁਹਿੰਮ 24 ਮਾਰਚ 2025 ਵਿਸ਼ਵ ਟੀ.ਬੀ ਦਿਵਸ ਤੱਕ ਚੱਲੇਗੀ। ਇਸ ਮੁਹਿੰਮ ਦਾ ਮੁੱਖ ਮਕਸਦ ਟੀ.ਬੀ ਪ੍ਰਤੀ ਆਮ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਜਾਗਰੂਕ ਕਰਨਾ, ਉਹਨਾ ਦੀ ਸਕਰੀਨਿੰਗ ਕਰਕੇ ਮੁਫਤ ਇਲਾਜ ਕਰਕੇ ਦੇਸ਼ ਨੂੰ ਟੀ.ਬੀ ਮੁਕਤ ਬਣਾਉਣਾ ਹੈ ਤਾ ਜੋ ਪ੍ਰਧਾਨ ਮੰਤਰੀ ਸ੍ਰੀ ਨਰਿੰਦਰ ਮੋਦੀ ਵੱਲੋਂ 2018 ਵਿੱਚ ਸ਼ੁਰੂ ਕੀਤੇ ਟੀ.ਬੀ ਮੁਕਤ ਭਾਰਤ ਅਭਿਆਨ ਨੂੰ ਸੰਪੂਰਨ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕੇ। ਇਸ ਜਾਗਰੂਕਤਾ ਮੁਹਿੰਮ ਤਹਿਤ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਤੌਰ ਤੇ ਸਲੱਮ ਬਸਤੀਆ, ਭੱਠਿਆ, ਫੈਕਟਰੀਆ ਆਦਿ ਦੇ ਲੋਕਾ ਦੀ ਟੀ.ਬੀ ਸਬੰਧੀ ਜਾਂਚ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ ਅਤੇ ਮਰੀਜਾ ਦਾ ਮੁਫਤ ਇਲਾਜ ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ।

ਸਿਹਤ ਵਿਭਾਗ ਦੇ ਸਮੂਹ ਸਬ-ਸੈਂਟਰਾ ਤੇ ਸੀ.ਐਚ.ਓ,ਫੀਲਡ ਸਟਾਫ ਅਤੇ ਆਸ਼ਾ ਵਰਕਰਾਂ ਵੱਲੋਂ ਇਸ ਮੁਹਿੰਮ ਸਬੰਧੀ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਜਾਗਰੂਕਤਾ ਸਰਗਰਮੀਆਂ ਦਾ ਆਯੋਜਨ ਨਿਰੰਤਰ ਜਾਰੀ ਹੈ। ਇਸ ਮੌਕੇ ਆਸ਼ਾ ਵਰਕਰ ਊਸ਼ਾ ਰਾਣੀ ਨੇ ਆਪਣੇ ਏਰੀਏ ਨੂੰ ਕਵਰ ਕਰਨ ਸਬੰਧੀ ਜਾਣਕਾਰੀ ਅਤੇ ਅੰਕੜੇ ਟੀਮ ਨਾਲ ਸਾਂਝੇ ਕੀਤੇ।

ਬੱਚਿਆਂ 'ਚ ਹੋਣ ਵਾਲੀ ਟੀ.ਬੀ. ਦੀ ਬੀਮਾਰੀ ਸਬੰਧੀ ਕਰਵਾਈ ਗਈ ਵਰਕਸ਼ਾਪ

ਫ਼ਰੀਦਕੋਟ, 1 ਫ਼ਰਵਰੀ (ਸੁਖਵਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਬੱਬੂ) : ਸਿਹਤ ਵਿਭਾਗ ਫਰੀਦਕੋਟ ਦੇ ਜਿਲਾ ਟੀ.ਬੀ. ਕਲੀਨਿਕ ਵੱਲੋਂ ਵਰਲਡ ਹੈਲਥ ਪਾਰਟਨਰਜ ਅਤੇ ਸਾਥੀ ਸੰਸਥਾ ਦੇ ਸਹਿਯੋਗ ਨਾਲ ਬਾਬਾ ਫਰੀਦ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਦੇ ਵਾਈਸ ਚਾਂਸਲਰ ਡਾ. ਰਾਜੀਵ ਸੂਦ ਦੀ ਅਗਵਾਈ ਵਿੱਚ ਗੁਰੂ ਗੋਬਿੰਦ ਸਿੰਘ ਮੈਡੀਕਲ ਕਾਲਜ ਅਤੇ ਹਸਪਤਾਲ ਦੇ ਮਨੋਰੋਗ ਵਿਭਾਗ ਵਿਖੇ ਬੱਚਿਆਂ ਦੇ ਵਿੱਚ ਹੋਣ ਵਾਲੀ ਟੀ.ਬੀ. ਸਬੰਧੀ ਜਿਲਾ ਪੱਧਰੀ ਵਰਕਸ਼ਾਪ ਦਾ ਆਯੋਜਨ ਕੀਤਾ ਗਿਆ।

ਇਸ ਵਰਕਸ਼ਾਪ ਦਾ ਸੰਚਾਲਨ ਵਰਲਡ ਹੈਲਥ ਪਾਰਟਨਰਜ ਦੇ ਸਟੇਟ ਟੈਕਨੀਕਲ ਮੈਨੇਜਰ ਡਾ. ਸਤੀਸ਼ ਪੰਧੇਰ, ਜਿਲਾ ਪ੍ਰੋਜੈਕਟ ਕੁਆਰਡੀਨੇਟਰ ਮਨਪ੍ਰੀਤ ਸਿੰਘ ਅਤੇ ਸਟੇਟ ਮੈਂਟਰ ਨਰਸ ਹਰਪ੍ਰੀਤ ਕੌਰ ਵੱਲੋਂ ਕੀਤਾ ਗਿਆ। ਜਿਸ 'ਚ ਬਾਬਾ ਫਰੀਦ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਦੇ ਰਜਿਸਟਰਾਰ ਪ੍ਰੋ. (ਡਾ.) ਰਾਕੇਸ਼ ਗੋਰੀਆ ਮੁੱਖ ਮਹਿਮਾਨ ਦੇ ਤੌਰ 'ਤੇ ਸ਼ਾਮਿਲ ਹੋਏ। ਇਸ ਵਰਕਸ਼ਾਪ ਵਿੱਚ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਸੱਦੇ 'ਤੇ ਹਲਕਾ ਵਿਧਾਇਕ ਗੁਰਦਿੱਤ ਸਿੰਘ ਸੇਖੋਂ ਵੀ ਸ਼ਾਮਿਲ ਹੋਏ। ਇਹਨਾਂ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਸਿਵਲ ਸਰਜਨ ਡਾ. ਚੰਦਰ ਸ਼ੇਖਰ ਕੱਕੜ, ਪ੍ਰਿੰਸੀਪਲ ਡਾ. ਸੰਜੇ ਗੁਪਤਾ, ਮੈਡੀਕਲ ਸੁਪਰਡੈਂਟ ਡਾ. ਨੀਤੂ ਕੁੱਕੜ, ਬਾਲ ਵਿਭਾਗ ਦੇ ਮੁੱਖੀ ਡਾ. ਸ਼ਸੀ ਕਾਂਤ ਧੀਰ, ਮੁੱਖੀ ਚੈਸਟ ਐਂਡ ਟੀ.ਬੀ. ਡਾ. ਕਿਰਨਜੀਤ, ਜਿਲਾ ਟੀ.ਬੀ. ਅਫਸਰ ਡਾ. ਲੀਨਾ ਚੋਪੜਾ ਭੱਲਾ, ਜਿਲਾ ਮਾਸ ਮੀਡੀਆ ਅਫਸਰ ਕੁਲਵੰਤ ਸਿੰਘ, ਡਿਪਟੀ ਮਾਸ ਮੀਡੀਆ ਅਫਸਰ ਸੁਧੀਰ ਕੁਮਾਰ ਅਤੇ ਲਖਵਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਕੈਂਥ ਵੀ ਹਾਜਰ ਸਨ। ਵਰਕਸ਼ਾਪ ਦਾ ਉਦੇਸ਼ ਬਾਲ ਟੀ.ਬੀ. ਦੇ ਲੱਛਣ, ਇਲਾਜ ਅਤੇ ਪ੍ਰਬੰਧਨ ਵਿੱਚ ਸਿਹਤ ਪੇਸ਼ੇਵਰਾਂ ਦੇ ਹੁਨਰ ਅਤੇ ਗਿਆਨ ਨੂੰ ਵਧਾਉਣਾ ਸੀ।

ਰੋਜ਼ਾਨਾ ਸਪੋਕਸਮੈਨ
RozanaSpokesman.com

Madhya Pradesh

निक्षय शिविर के अंतर्गत कलेक्टर मंदसौर के मार्गदर्शन में 100 दिवसीय टीबी मुक्त रथ ने भ्रमण किया

नारायणगढ़ (निप्र)। दिनांक 1/2/2025 को निक्षय शिविर के अंतर्गत कलेक्टर मंदसौर के मार्गदर्शन में 100 दिवसीय टीबी मुक्त रथ ग्राम अमलावत एवं गुराडिया लालमुहा अमंदसौर ब्लॉक धुंधडका तहसील मंदसौर जिला मंदसौर मध्य प्रदेश में भ्रमण किया गया जगदीश खींची स्वास्थ्य विभाग मंदसौर ने टीबी के बारे में जागरूक किया टीवी से कैसे बचा जाए एवं टीवी के क्या लक्षण है इसकी जानकारी दी गई चलने में सांस भर आता हो काफी दिनों से खांसी लगातार खांसी चलती भूख नहीं लगाना वजन कम होना रात को पसीना आना रात्रि में बुखार आना यह टीबी के लक्षण हो सकते हैं हम आपके गांव में आए हुए हैं एक्सरै मशीन भी लाए हैं सभी ग्रामवासी एक्सरै करवाए निशुल्क एक्सरे किया जा रहे हैं एक्सरै मशीन में में इंफेक्शन होने के पश्चात हमारे डॉक्टर साहब देखेंगे अगर डॉक्टर साहब सुबह की खखार की जांच बोलेंगे तो आपको खखार की जांच जरूर करवाना है खंखार में अगर पॉजिटिव आते हैं तो आपको 6 माह तक दवाई लेना है दवाई में कोई गैप नहीं करना जैसे बीपी की गोली रोजाना लेते हो शुगर

की दवाई रोजाना याद से लेते हो वैसे ही टीबी की दवाई जरुर लेना टीबी का पेशेंट दवाई लेने पर ठीक हो जाता है टीबी कोई घातक बीमारी नहीं है अगर जांच में मालूम पड़ गया है की आपको टीवी है अगर दवाई नहीं लगे तो मृत्यु भी हो सकती है इसलिए दवाई लेने पर पूर्ण स्वस्थ हो जाते हैं दवाई की बीच में कोई गैप नहीं करना है लगातार दवाई लेना सभी ग्रामवासी एक्सरै जरूर करवाए शासन प्रशासन मंदसौर कलेक्टर महोदय का लक्ष्य है कोई भी गांव का कोई भी व्यक्ति आयुष्मान से वंचित न रहे 70 वर्ष के सभी ग्राम वासियों को आयुष्मान कार्ड जरूर बनवाना है कृषि मंडी दलोदा प्रभारी मंडी सचिव हीरालाल मालवीय एवं संपन्न वर्ग से एवं जनप्रतिनिधियों से निवेदन है कि निक्षय मित्र बनकर इस में सहयोग देने की अपील की गई दोनों गांव के सरपंच अमलावद के सरपंच कंचन भाई मालवी पति स्वर्गीय देवराम जी गुराडिया लालमुहा के सरपंच महोदय नआम जनता से अपील की गई के सभी लोग एक्सरै जरूर करवाए एवं कई गणमान्य नागरिक उपस्थित थे गांव के सभी ग्राम वासियों को अपनी जांच करवाने के लिए एवं एक्सरे करवाने के लिए कहा स्वास्थ्य विभाग की ओर डा वंदन वंदन कुनिया उपस्थित थे

एवं जनप्रतिनिधि ने सभी ग्राम वासियों को जांच करवाने के लिए और एक्स-रे करवाने के लिए कहा गया गांव के सभी लोग अपनी-अपनी जांच करवाए स्वास्थ्य विभाग की ओर से सी एच ओ गुलशेर खान सीमा पाटीदार मोनिका चौहान सुपरवाइजर विष्णु गहलोत एएनए सुशील शर्मा सीता सौनगरा सीमा परमार उषा माली मेल स्टाफ नर्स हरीश ट्रेलर एक्सरे टेक्निशियन अनिल शर्मा एल डब्लू एस महेंद्र सोनगरा आशा सहयोगिनी हेमलता एवं देवकन्या रायकवार आशा कार्यकर्ता आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सभी उपस्थितथे एवं गांव के कई गणमान्य नागरिक उपस्थित थे ।

एआई तकनीक से लैस हैंड हेल्ड एक्सरे से तुरंत चल जाएगा क्षय रोग का पता

जिले में उच्च जोखिम वाले मरीजों को राहत, मशीन आने के बाद इलाज भी जल्द होगा शुरू

संवाद न्यूज एजेंसी

शिमला। टीबी यानि की तपेदिक रोग का पता लगाना अब और भी आसान होगा। जिला शिमला में पहली मर्तबा एआई तकनीक से लैस हैंड हेल्ड एक्सरे मशीन स्वास्थ्य विभाग को मिलेगी।

मशीन मिलने के बाद उच्च जोखिम वाले मरीज जिन्हें टीबी की बीमारी का खतरा बना रहता है, ऐसे मरीजों में बीमारी का पता लगाना और भी आसान हो जाएगा। जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. विनीत लखनपाल ने यह जानकारी दी है।

उन्होंने बताया कि कुछ समय बाद यह मशीन विभाग के पास उपलब्ध हो जाएगी। जिला शिमला में अब तक टीबी रोग का पता खांसी होने या फिर बलगम टेस्ट करवाने के बाद ही लग पाता था। अब तक जिले में ऐसी आधुनिक तकनीक नहीं थी कि जिससे आसानी से ही बीमारी का पता लग पाए।

अब पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन रामपुर की ओर से एआई तकनीक से लैस

पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन रामपुर की ओर से उपलब्ध करवाई जा रही आधुनिक एक्सरे मशीन

खास खबर

इन जिलों में नहीं आधुनिक मशीन

जिला स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि शिमला, सोलन, कुल्लू और लाहौल में यह मशीन नहीं है। हालांकि स्वास्थ्य विभाग ने सरकार के समक्ष यह मामला उठाया है। अब पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन रामपुर की ओर से मुहैया करवाई जा रही मशीन से टेस्ट किए जाएंगे।

मशीन के आने के बाद मरीजों के टेस्ट किए जाएंगे। वहीं जिन मरीजों में टीबी की बीमारी का देरी से पता लग पाता था, इस मशीन के जरिये टेस्ट होने के तुरंत बाद ही पूरी जानकारी सामने आ जाएगी। इसके

आईजीएमसी के न्यू ओपीडी ब्लॉक की दूसरी मंजिल में शुक्रवार को रिपोर्ट लेने के लिए खड़े मरीजों के तीमारदार। संवाद

आईजीएमसी में टेस्ट रिपोर्ट लेने को घंटों इंतजार

शिमला। आईजीएमसी में शुक्रवार को टेस्ट रिपोर्ट लेने आए मरीजों को काउंटर के बाहर घंटों इंतजार करना पड़ा। काउंटर पर कर्मचारियों के न होने के कारण मरीजों के तीमारदार चिंतित नजर आए। जब तक रिपोर्ट नहीं मिलनी थी तब तक न तो मरीजों के माइनर ऑपरेशन होने थे और न ही अन्य इलाज। लिहाजा सैकड़ों मरीजों को सुबह के समय रिपोर्ट न मिलने के कारण परेशान होना पड़ा। आईजीएमसी के न्यू ओपीडी ब्लॉक की दूसरी मंजिल पर शुक्रवार सुबह यह मामला सामने आया। मरीजों के तीमारदार यहां पर टेस्ट रिपोर्ट लेने के लिए आए, लेकिन काउंटर पर निजी लैब का कर्मी तैनात नहीं था। मंडी के कपूर चंद का यूरोलॉजी विभाग में उपचार चल रहा है। सिरमौर के अनिल ने बताया कि अस्पताल में करीब एक घंटा इंतजार किया। इसके

डीहर और खरियालता में किए 126 एक्स-रे

जोल (ऊना)। स्वास्थ्य विभाग की ओर से ग्राम पंचायत खरियालता और डीहर में विशेष शिविर का आयोजन किया गया। इसमें पंचायत प्रधान राकेश धीमान विशेष रूप से उपस्थित रहे।

इस दौरान क्षय रोग से बचने के लिए लोगों को प्रेरित किया। 126 लोगों के एक्स-रे भी किए गए। इस मौके पर स्वास्थ्य विभाग की ओर से अमित, वरिष्ठ चिकित्सा पर्यवेक्षक आरती शर्मा व पंकज एक्स रे टेक्नीशियन, जीवन कुमार डाटा एंट्री ऑपरेटर, धर्म पाल तथा आशा कार्यकर्ता मौजूद रहे। संवाद

श्रद्धालुओं के लिए लंगर का आयोजन होगा।

होने का प्रस्ताव पास करवाकर आ

निजी स्वास्थ्य संस्थान 15 तक करवाएं पंजीकरण

सी.एम.ओ. ने जारी की चेतावनी व दिशा-निर्देश, कार्रवाई की चेतावनी

ऊना, 31 जनवरी (विशाल) : स्वास्थ्य विभाग ने स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने वाले संस्थानों को पंजीकरण करवाने के लिए 15 फरवरी तक की समय सीमा तय की है। इस संबंध में सी.एम.ओ. ऊना डा. एस.के. वर्मा ने जिले भर के निजी क्लीनिकों सहित स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने वाले अन्य संस्थानों को चेतावनी जारी की है। इसमें साफतौर पर 15 फरवरी तक पंजीकरण करवाने और उसके बाद कार्रवाई करने की चेतावनी दी गई है।

जिले भर में ऐसे कई लोग हैं जोकि बिना किसी पंजीकरण या डिग्री के क्लीनिक चला रहे हैं। इसको लेकर पंजाब केसरी ने विस्तृत रिपोर्ट प्रकाशित की थी, जिसके बाद स्वास्थ्य विभाग ने हरकत में आते हुए कार्रवाई शुरू कर दी है। पूरे जिले से रिकार्ड मांगा गया है कि कौन-कौन से संस्थान स्थापित हैं और किन-किन के पास डिग्रियां या पंजीकरण नहीं है।

शुक्रवार को चेतावनी जारी करते हुए सी.एम.ओ. डा. संजीव कुमार वर्मा ने क्लीनिकल इस्टैब्लिशमैंट्स (रजिस्ट्रेशन एंड रैगुलेशन) एक्ट, 2010 के अंतर्गत सभी स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं को निर्देश देते हुए कहा कि वे अपने संस्थानों का 15 फरवरी तक पंजीकरण करवाएं और अधिनियम के प्रावधानों का पालन करें, अन्यथा उनके विरुद्ध क्लीनिकल इस्टैब्लिशमैंट्स (रजिस्ट्रेशन एंड रैगुलेशन) एक्ट, 2010 के अंतर्गत कार्रवाई की जाएगी।

सी.एम.ओ. ने कहा कि इस अधिनियम के तहत सभी स्वास्थ्य संस्थानों को बुनियादी ढांचे, स्टाफिंग, उपकरण, और रिकॉर्ड रखरखाव से संबंधित न्यूनतम मानकों का पालन करना आवश्यक है, ताकि मरीजों को गुणवत्तापूर्ण सेवाएं मिल सकें।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि हमारे जिले में कई क्लीनिक पंजीकृत हैं, लेकिन काफी अभी भी पंजीकरण से वंचित हैं। यह न केवल कानूनी उल्लंघन है, बल्कि मरीजों की सुरक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता के लिए भी खतरा उत्पन्न करता है। एक पंजीकृत क्लीनिक में प्रशिक्षित स्टाफ, आवश्यक उपकरण, स्वच्छ वातावरण और आपातकालीन स्थितियों के लिए तैयारियां होती है मरीजों को शुल्क की जानकारी स्पष्ट रूप से दी जाती है और उनकी चिकित्सा रिकॉर्ड्स का सही तरीके से रखरखाव किया जाता है, जबकि एक अपंजीकृत क्लीनिक में आवश्यक सुविधाओं की कमी हो सकती है, जैसे कि अपर्याप्त स्टाफ, पुराने या अनुपयुक्त उपकरण और स्वच्छता मानकों का पालन न करना। इससे मरीजों की सुरक्षा और उपचार की गुणवत्ता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

लोग पंजीकृत क्लीनिक में ही करवाएं उपचार

मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने आम जनता से भी अनुरोध करते हुए कहा कि वे केवल पंजीकृत क्लीनिकल इस्टैब्लिशमैंट्स में ही उपचार कराएं और किसी भी अनियमितता की सूचना सम्बंधित खंड चिकित्सा अधिकारी कार्यालय या मुख्य चिकित्सा अधिकारी ऊना के पास दें। उन्होंने यह भी कहा कि हम जल्द ही इस अधिनियम के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करेंगे, ताकि सभी स्वास्थ्य सेवा प्रदाता और जनता इस अधिनियम के प्रावधानों से भलीभांति परिचित हो और उसका पालन करें।

स्वास्थ्य संस्थानों के पंजीकरण के लिए 15 फरवरी तक करें आवेदन : वर्मा

ऊना। स्वास्थ्य विभाग की तरफ से जिले में स्वास्थ्य प्रदाताओं को 15 फरवरी तक पंजीकरण करवाने का समय दिया है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संजीव वर्मा ने निर्देश जारी कर दिए हैं। उन्होंने बताया कि क्लीनिकल इस्टैब्लिशमेंट्स (रजिस्ट्रेशन एंड रेगुलेशन) एक्ट, 2010 के सभी स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं को पंजीकरण करना अनिवार्य है। बताया कि इस अधिनियम के तहत सभी सरकारी और निजी स्वास्थ्य संस्थानों जैसे अस्पताल, नर्सिंग होम, क्लीनिक, डायग्नोस्टिक सेंटर तथा फ़िजियोथैरेपी सेंटर आदि का पंजीकरण करवाना जरूरी है। बिना पंजीकरण के कोई भी क्लीनिकल इस्टैब्लिशमेंट संचालित नहीं किया जा सकता। इस अधिनियम के तहत सभी स्वास्थ्य संस्थानों को बुनियादी ढांचे, स्टाफिंग, उपकरण, और रिकॉर्ड्स के रखरखाव से संबंधित न्यूनतम मानकों का पालन करना आवश्यक है। पंजीकृत क्लीनिकल इस्टैब्लिशमेंट्स को निरीक्षण या जांच के लिए उचित सुविधाएं प्रदान करनी होंगी । यदि किसी संस्थान के बिना पंजीकरण संचालित होने का संदेह है तो प्राधिकरण या उसके द्वारा अधिकृत अधिकारी बिना पूर्व सूचना के भी निरीक्षण कर सकते हैं। संवाद

Jharkhand

दैनिक भास्कर रांची, रविवार, 2 फरवरी, 2025 | 19

56 मरीजों में न्यूट्रीशन फूड पैकेट किट व कंबल वितरण

लाभुकों को न्यूट्रीशन फूड पैकेट प्रदान करते।

भास्कर न्यूज़ | घाघरा

घाघरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में स्वास्थ्य विभाग और हिंडाल्को सीएसआर के संयुक्त तत्वावधान में न्यूट्रीशन फूड पैकेट किट, रागी लड्डू और कंबल का वितरण 56 टीवी मरीजों के बीच चिकित्सा प्रभारी डॉक्टर अरविंद कुशल एक्का द्वारा किया गया। इस क्रम में यक्ष्मा विभाग के प्रखंड समन्वयक अमित प्रसाद ने टीवी को हराने के लिए विशेष 100 दिन का कार्यक्रम के बारे में विस्तृत जानकारी दी।साथ ही अधिक से अधिक लोगों को जांच कराने की अपील की। प्रखंड चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर अरविंद कुशल एक्का ने कहा कि टीवी बीमारी को सब कोई को मिलजुल कर हराना है।दवा का सेवन नियमित रूप से करें जांच प्रत्येक 2 महीने में स्वास्थ्य केंद्र के जांच केंद्र में आकर कराए।

नशा पान से बचे। हिंडाल्को के अभय भारती ने स्वस्थ आहार लेने गर्म पानी पीने एवं योग प्राणायाम के लाभ को बताया। मौके पर बीटीटी सीमा देवी, बबिता देवी, पारस साहू, भोला चिक बड़ाइक, रामावतार पासवान, संजोत देवी सहित कई कर्मी और टीवी मरीज उपस्थित थे।

Bihar

हिन्दुस्तान

टीबी रोगी का बीपाल्म रेजिमेन से होगा इलाज

प्रशिक्षण

- सीएस की अध्यक्षता में बीपाल्म रेजिमेन को लेकर दिया गया प्रशिक्षण
- जिला संचारी रोग पदाधिकारी ने इलाज के सभी बिंदुओं पर की चर्चा

मुजफ्फरपुर, प्रमुख संवाददाता। जिले में ड्रग रेसिस्टेंट (दवा प्रतिरोधी) टीबी से ग्रसित के मरीजों का इलाज अब छह महीने में बीपाल्म रेजिमेन से किया जाएगा। शनिवार को संचारी रोग पदाधिकारी डॉ. सीके दास ने ड्रग रेसिस्टेंट टीबी सेंटर पर इसको लेकर एमओआईसी, मेडिकल ऑफिसर, एसटीएस, एसटीएलएस, लैब तकनीशियन, सीएचओ एवं एएनएम को प्रशिक्षित किया।

सिविल सर्जन डॉ. अजय कुमार की अध्यक्षता में प्रशिक्षण कार्यशाला हुई। डॉ. दास ने प्रतिभागियों को बीपाल्म रेजिमेन से संबंधित सारी जानकारी देते हुए इसके सभी बिन्दुओं पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि इस रेजिमेन से ड्रग रेसिस्टेंट टीबी से ग्रसित मरीजों का उपचार अब छह महीने में ही संभव हो सकेगा। इसको राज्य में ऐसे रोगियों के उपचार के लिए शुरू किया है।

शनिवार को कार्यशाला में मौजूद चिकित्सा पदाधिकारी और डॉक्टर।

छह माह में पूरा हो जायेगा टीबी मरीजों का उपचार

मुजफ्फरपुर. ड्रग रेसिस्टेंट टीबी रोगियों के लिए अच्छी खबर है. जिले में बी फ्लेम रेसिस्टेंट रेजिमेन से छह माह में दवा प्रतिरोधी टीबी से ग्रसित मरीजों का उपचार हो सकेगा. संचारी रोग पदाधिकारी डॉ सीके दास ने ड्रग रेसिस्टेंट टीबी सेंटर पर एमओआइसी, मेडिकल ऑफिसर, एसटीएस, एसटीएलएस, लैब तकनीशियन, सीएचओ व एएनएम को प्रशिक्षित किया.सिविल सर्जन डॉ अजय कुमार की अध्यक्षता में प्रशिक्षण कार्यशाला का उद्घाटन हुआ. डॉ दास ने कहा- इस रेजिमेन से ड्रग रेसिस्टेंट टीबी से ग्रसित मरीजों का उपचार 6 महीने में संभव है.

बीपाल्म रेजिमेन से 6 महीने में हो सकेगा ड्रग रेसिस्टेंट टीबी रोगियों का उपचार

मुजफ्फरपुर। ड्रग रेसिस्टेंट टीबी रोगियों के लिए अच्छी खबर है. जिले में बीपाल्म रेजिमेन से 6 महीने में ड्रग रेसिस्टेंट टीबी से ग्रसित मरीजों के रोग का प्रबंधन एवं उपचार संभव हो

बीपाल्म रेजिमेन का दिया गया प्रशिक्षण

सकेगा। इस बाबत शनिवार को संचारी रोग पदाधिकारी डॉ सीके दास ड्रग रेसिस्टेंट टीबी सेंटर पर एमओआईसी, मेडिकल ऑफिसर, एसटीएस, एसटीएलएस, लैब तकनीशियन, सीएचओ एवं एएनएम को प्रशिक्षित किया। सिविल सर्जन डॉक्टर अजय कुमार की अध्यक्षता में प्रशिक्षण कार्यशाला का उद्घाटन हुआ। वहीं डॉ सीके दास ने मुख्य प्रशिक्षक की

भूमिका निभाते हुए प्रशिक्षण कार्यशाला में शामिल प्रतिभागियों को बीपाल्म रेजिमेन से संबंधित सारी जानकारी दी एवं पूरे रेजिमेन के सभी बिन्दुओं पर चर्चा की।

उन्होंने कहा कि इस रेजिमेन से ड्रग रेसिस्टेंट टीबी से ग्रसित मरीजों का उपचार 6 महीने में संभव हो सकेगा। इस रेजिमेन को राज्य में ड्रग रेसिस्टेंट टीबी रोगियों के उपचार के लिए आरंभ किया जाना है।एमडीआर टीबी गाइडलाइन के मुताबिक इंडियन काउंसिल ऑफ़ मेडिकल रिसर्च के अनुसार बीपाम रेजिमेन से उपचार पर ड्रग रेसिस्टेंट टीबी के प्रबंधन एवं उपचार में होने वाले खर्च में कटौती होगी तथा इससे ट्रीटमेंट सक्सेस रेट में भी वृद्धि होगी।

बीपाल्म रेजिमेन से 6 महीने में हो सकेगा ड्रग रेसिस्टेंट टीबी रोगियों का उपचार.#NR INDIA NEWS#

बीपाल्म रेजिमेन से 6 महीने में हो सकेगा ड्रग रेसिस्टेंट टीबी रोगियों का उपचार

(रवि कुमार भार्गव संपादक दैनिक अयोध्या टाइम्स बिहार)

मुजफ्फरपुर 1 फरवरी 2025-ड्रग रेसिस्टेंट टीबी रोगियों के लिए अच्छी खबर है. जिले में बीपाल्म (B पाम Regimen) रेजिमेन से 6 महीने में ड्रग रेसिस्टेंट टीबी से ग्रसित मरीजों के रोग का प्रबंधन एवं उपचार संभव हो सकेगा. इस बाबत शनिवार को संचारी रोग पदाधिकारी डॉ सीके दास ड्रग रेसिस्टेंट टीबी सेंटर पर एमओआईसी,मेडिकलऑफिसर,एसटीएस, एसटीएलएस,लैब तकनीशियन, सीएचओ एवं एएनएम को प्रशिक्षित किया। सिविल सर्जन डॉक्टर अजय कुमार की अध्यक्षता में प्रशिक्षण कार्यशाला का उद्घाटन हुआ। वहीं डॉ सीके दास ने मुख्य प्रशिक्षक की भूमिका निभाते हुए प्रशिक्षण कार्यशाला में शामिल प्रतिभागियों को बीपाल्म रेजिमेन से संबंधित सारी जानकारी दी एवं पूरे रेजिमेन के सभी बिन्दुओं पर चर्चा की. उन्होंने कहा कि इस रेजिमेन से ड्रग रेसिस्टेंट टीबी से ग्रसित मरीजों का उपचार 6 महीने में संभव हो सकेगा. इस रेजिमेन को राज्य में ड्रग रेसिस्टेंट टीबी रोगियों के उपचार के लिए आरंभ किया जाना है. एमडीआर टीबी गाइडलाइन के मुताबिक इंडियन काउंसिल ऑफ़ मेडिकल रिसर्च के अनुसार बीपाम रेजिमेन से उपचार पर ड्रग रेसिस्टेंट टीबी के प्रबंधन एवं उपचार में होने वाले खर्च में कटौती होगी तथा इससे ट्रीटमेंट सक्सेस रेट में भी वृद्धि होगी.क्या है मल्टी ड्रग रेजिस्टेंट टीबी:मल्टी ड्रग रेजिस्टेंट टीबी टीबी संक्रमण का एक रूप है जो कम से कम दो सबसे शक्तिशाली प्रथम-लाइन की दवाओं के साथ इलाज के लिए प्रतिरोधी हो जाती है. इससे टीबी के इलाज के लिए दी जाने वाली प्रथम पंक्ति की दवाइयों का असर रोगी पर होना बंद हो जाता है जिससे मरीज की समस्याएँ बढ़ जाती हैं. ससमय इसका सटीक इलाज नहीं किये जाने पर मरीज की मृत्यु भी हो सकती है.